PKM
Peace Keeping Movement
Estab:2020

Peace Keeping Movement Trust (NGO) (Reg.No.714 (2020)
A Voluntary Association
Contributory& (Charity Organization)

Address: RZ-3308/37,
Tughlakabad Extn
New Delhi-110019
Mob: 9990084319
Email:
pkmtrust2020@gmail.com

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

Introduction:

दुनिया में जितनी भी क़ौमें □उम्मतें□हैं□वह सब अपने को सीधे रास्ते पर और हिदायत के रासते पर समझतीं हैं। और दूसरी क़ौमों को गुमराही के रासते पर समझती हैं। और यह दावा करती हैं कि हम ही जन्नत □स्वर्ग 'paradise'□ के हक़दार हैं□और सिर्फ़ हम ही जन्नत में जाऐंगे।यहूदी □बनी इस्राईल□और नसॉरा □ईसाई□मुसलमानों से भी यही कहा करते थे कि जब तक तुम यहूदी या नासॉरा नहीं हो जाते□तो हरगिज़ तुम जन्नत में दाख़िल नहीं हो सकते। जैसा कि अल्लाह ने इर्शाद फ़रमाया है किः

وَقَالُوا لَن يَدْخُلَ الْجَنَّةَ إِلَّا مَن كَانَ هُودًا أَوْ نَصَارَىٰ ۗ تِلْكَ أَمَانِيُّهُمْ ۗ قُلْ هَاتُوا بُرْهَانَكُمْ إِن كُنتُمْ صَادِقِينَ

[٢:١١١]

And they say: "None shall enter Paradise unless he be a Jew or a Christian." Those are their (vain) desires. Say: "Produce your proof if ye are truthful."

(1): بَلَىٰ مَنْ أَسْلَمَ وَجْهَهُ لِلَّهِ وَهُوَ مُحْسِنٌ فَلَهُ أَجْرُهُ عِندَ رَبِّهِ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ

[٢:١١٢]

Nay,-whoever submits His whole self to Allah and is a doer of good,- He will get his reward with his Lord; on such shall be no fear, nor shall they grieve.

यानीः "यहूदियों और नसॉरा ने मुसलमानो से कहाः "कि कोई भी जन्नत में दाख़िल नहीं हो सकता□जब तक वह यहूदी या नसॉरा न हो जाए।अल्लाह ने इर्शाद फ़रमाया□यह उनकी झूठी आर्ज़ुऐं हैं□ऐ मुहम्मद □ﷺ□□आप उन से कह दीजिऐः कि तुम लाओ अपनी दलील□अगर तुम अपने दावे में सच्चे हो□ बल्कि □क्यों नहीं□□यह कहिऐ किः जिसने अपना चेहरा □ख़ालिस□अल्लाह के लिए झुका दिया□यानी ख़ालिस करके सिर्फ़ और सिर्फ़ अल्लाह □ईश्वर□ प्रमातमा 'GOD'□ इबादत □पूजा□ की □और वह नकोकार □अच्छे काम करने वाला□हो□तो उसका अजर उसके रब के पास है। और उन पर कोई ख़ौफ़ नहीं□और न वह ग़मगीन होंगे।

यही दावा मुसलमान भी करते हैं कि □हम□ सिर्फ़ मुसलमान ही सीधे और हिदायत के रासते पर हैं□और हम ही जन्नत क हक़दार हैं और बस हम ही जन्नत में दाख़िल होंगे।

यही दावा भारत के हिन्दू भी करते हैं कि हमारा धर्म और संसकृति साढ़े दस हज़ार साल की है□बस हम ही सीधे और हिदायत के रासते पर हैं।बाक़ी दुनिया के लोग गुमराही के रास्ते पर हैं। इसी तरह़ दुनिया के और धर्मों के लोग भी यही कहते हैं कि हम ही सीधे और हिदायत के रासते पर हैं□दूसरे लोग गुमराह हैं।

इस तरह़ से दुनिया के जितने भी लोग या क़ौमें हैं□सभी अपने को सह़ी□सीधे और हिदायत के रासते पर होने का दावा करते हैं□और दूसरों को गुमराह और भटके हुऐ कहते हैं। दुनिया में कोई भी आदमी या क़ौम अपने को गुमराह और भटका हुवा नहीं कहता। हर कोई अपने को हिदायत पर और दुसरों को गुमराह बताता है।

अल्लाह ने ऊपर की आयात में इर्शाद फ़रमाया है किः अगर तुम अपने अपने दावों में सच्चे हो□तो उन दावों की सच्चाई साबित करने के लिए कोई दलील लाओ। यह बात भी सह़ी है कि इन लोगों के यह सिर्फ़ दावे हैं□दलील किसी के भी पास नहीं है। अल्लाह ने खुद ही इस बात का जवाब दिया किः "जिसने अपना चेहरा (ख़ालिस) अल्लाह के लिए झुका दिया, और वह नकोकार □अच्छे काम करने वाला□हो□तो उसका अजर उसके रब के पास है। और उन पर कोई ख़ौफ़ नहीं□और न वह ग़मगीन होंगे।"

पस इस तरह़ से अल्लाह ने दुनिया के तमाम लोगों के लिए और दुनिया की तमाम क़ौमों के हिदायत और सीधे रासते पर होने के लिए ऐक कौमन काइटेरिया □Commom criterion□ बना दिया□... जो इस तरह़ हैं और चार पैरामीटर्स पर विभाजित हैं□जैसा किः

1ः **First Parameter** पहला पैरामीटरः □मेयार□ मानक□ इसके अंतर्गत दो बातें हैं

□पहली बात□

1□ अल्लाह का फ़रमांबरदार □ईमान वाला□ होना।यानी जो ख़ालिस करके अल्लाह वाहि़द पर उसकी ज़ातो सिफ़ात पर ईमान लाया और जिस ने अल्लाह के लिए अपना सर झुका दिया। अल्लाह की इताअ़त और फ़रमांदरदारी

की।अपना चेहरा सिर्फ़ और सिर्फ़ अल्लाह की तरफ़ कर लिया □सब बातिल माबूदों को छोड़ कर□ सिर्फ़ और सिर्फ़ ख़ालिस करके अल्लाह ही की इबादत की।

2□ अच्छे काम करना। अच्छे और भले□और नेक काम करना।और बुरे कामों से बचे रहना।अल्लाह ने सब अच्छे कामों का और बुरे कामों का वर्णन कुरान में बयान कर दिया है।पस अच्छे कामों पर अ़मल करे और बुरे कामों से बचे।दूसरी बात मुलाहिज़ह कीजिए।

□दूसरी बात□ यहूदी और नसारा □ईसाई□यह भी कहा करते थे□और यह आरज़ू रखते थे कि हम कितनी भी बुराइयां कर लें□हमें उसकी सज़ा नहीं मिलेगी□तो अल्लाह ने ईमान वालों से □मुसलमानों से□इर्शाद फ़रमाया किः

لَّيْسَ بِأَمَانِيِّكُمْ وَلَا أَمَانِيِّ أَهْلِ الْكِتَابِ ۗ مَن يَعْمَلْ سُوءًا يُجْزَ بِهِ وَلَا يَجِدْ لَهُ مِن دُونِ اللَّهِ وَلِيًّا وَلَا نَصِيرًا
[٤:١٢٣]

Not your desires, nor those of the People of the Book (can prevail): whoever works evil, will be requited accordingly. Nor will he find, besides Allah, any protector or helper.

وَمَن يَعْمَلْ مِنَ الصَّالِحَاتِ مِن ذَكَرٍ أَوْ أُنثَىٰ وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَأُولَٰئِكَ يَدْخُلُونَ الْجَنَّةَ وَلَا يُظْلَمُونَ نَقِيرًا [٤:١٢٤]

If any do deeds of righteousness,- be they male or female - and have faith, they will enter Heaven, and not the least injustice will be done to them.

وَمَنْ أَحْسَنُ دِينًا مِّمَّنْ أَسْلَمَ وَجْهَهُ لِلَّهِ وَهُوَ مُحْسِنٌ وَاتَّبَعَ مِلَّةَ إِبْرَاهِيمَ حَنِيفًا ۗ وَاتَّخَذَ اللَّهُ إِبْرَاهِيمَ خَلِيلًا [٤:١٢٥]

Who can be better in religion than one who submits his whole self to Allah, does good, and follows the way of Abraham the true in Faith? For Allah did take Abraham for a friend.

यानीः "अल्लाह ने फ़रमाया किः " ऐ मुसलमानो! (अ़ज़ाब और सवाब) न तुम्हारी आर्जुओं पर है□और न ऐहले किताब □यहूद और नसारा की आर्जुओं पर□□□□बल्कि□ जो बुराई करेगा□उस की सज़ा पाऐगा□और अपने लिए नहीं पाऐगा अल्लाह के सिवा कोई दोस्त और न मददगार।

और जो काई अच्छे काम करेगा□मर्द हो या औ़रत बशर्ते कि वह मोमिन □ईमान वाला□हो□तो ऐसे लोग जन्नत में दाख़िल होंगे।और उन पर ज़र्रह बराबर भी जुल्म नहीं होगा।"

और किसका दीन उस से बेहतर□ जिसने अपना मुँह □चेहरा□ □ख़ालिस□ अल्लाह के लिए झुका दिया□और वह नेकोकार □अच्छे काम करने वाला□भी है□और उसने ऐक □अल्लाह□के हो रहने वाले इब्राहीम □अ़□के दीन की पैरवी की। और अल्लाह ने इब्राहीम (अ़) को अपना दोस्त बनाया।"

पस जो कोई भी यह दो काम करेगा□तो उसका अजर उसके रब के पास है। और उन पर कोई ख़ौफ़ नहीं□और न वह ग़मगीन होंगे।”

2: Second Parameter □दूसरा पैरामीटर□ दूसरा मेयार□ मानक□: दूसरा पैरामीटर जो अल्लाह ने हर शख़्स के लिए तैय किया है□वह आख़िरी रसूल □नबी□हज़रत मुहम्मद□स□□ﷺ □ की पैरवी करना है□आप □ ﷺ□की करना गोया कि अल्लाह की पैरवी करना है।पस जिसने आप □ ﷺ□की पैरवी की□तो समझो उसने अल्लाह की पैरवी की।जैसा कि अल्लाह ने एक और मुक़ाम पर इर्शाद फ़रमाया है किः

مَّن يُطِعِ الرَّسُولَ فَقَدْ أَطَاعَ اللَّهَ ۖ وَمَن تَوَلَّىٰ فَمَا أَرْسَلْنَاكَ عَلَيْهِمْ حَفِيظًا [٤:٨٠]

He who obeys the Messenger, obeys Allah: But if any turn away, We have not sent thee to watch over their (evil deeds).

जिसने रसूल (हज़रत मुहम्मद ‘स’) की पैरवी की□यानी □आप □ﷺ□पर ईमान लाया □और □आप □ﷺ□की पैरवी की□तहक़ीक उस ने अल्लाह की पैरवी की। और जिसने रूगर्दानी की□तो ऐ नबी मुहम्मद □ﷺ □□हम ने आप को उन पर निगेहबान बनाकर नहीं भेजा।कि आप □स□ लोगों की निगेहबानी करते फिरें□कि कौन आप □स□की पैरवी करता है□और कौन नहीं। यानी कौन आप □ﷺ□पर ईमान लाने से इन्कार करता है और कौन आप□ﷺ□पर ईमान लाता है। जो लोग रसूल □हज़रत मुहम्मद □ﷺ□की पैरवी से रूगर्दानी करते हैं।यानी □आप □ﷺ□पर ईमान लाने से इन्कार करते हैं□क़ियामत के दिन सदमें और अफ़सोस में यह कहेंगे कि काश हमें कहीं छुपने की जगह मिल जाऐ□और हम ज़मीन में समा जाऐं ताकि हम हिसाब और अज़ाब से बच जाऐं।जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है किः

يَوْمَئِذٍ يَوَدُّ الَّذِينَ كَفَرُوا وَعَصَوُا الرَّسُولَ لَوْ تُسَوَّىٰ بِهِمُ الْأَرْضُ وَلَا يَكْتُمُونَ اللَّهَ حَدِيثًا [٤:٤٢]

On that day those who reject Faith and disobey the messenger will wish that the earth Were made one with them: But never will they hide a single fact from Allah!

यानीः “ उस दिन (क़ियामत के दिन) आर्ज़ू करेंगे वह लोग जिन्होंने कुफ़्र किया□यानी □आप □ﷺ□ पर ईमान लाने से इन्कार किया□काश□उन्हें □मिट्टी में दबा कर□ज़मीन बराबर कर दी जाऐ□और वह अल्लाह से न

छुपा सकेंगे कोई बात।” पस आप □ﷺ□पर ईमान लाना और आप □ﷺ□ की पैरवी करना खुद लोगों की ज़िम्मेदारी है।जैसा कि अल्लाह ने इरशाद फ़रमाया कि उसने हुकम दिया है किः

قُلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنِّي رَسُولُ اللَّهِ إِلَيْكُمْ جَمِيعًا الَّذِي لَهُ مُلْكُ السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ لَا إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ يُحْيِي وَيُمِيتُ ۖ فَآمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ النَّبِيِّ الْأُمِّيِّ الَّذِي يُؤْمِنُ بِاللَّهِ وَكَلِمَاتِهِ وَاتَّبِعُوهُ لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ [٧:١٥٨]

Say: "O men! I am sent unto you all, as the Messenger of Allah, to Whom belongeth the dominion of the heavens and the earth: there is no god but He: it is He That giveth both life and death. So believe in Allah and His Messenger, the Unlettered Prophet, who believeth in Allah and His words: follow him that (so) ye may be guided."

यानीः “ ऐ नबी मुहम्मद □ﷺ □आप फ़रमा दें□ऐ लागों □सारी दुनिया के लोगों□□बेशक मैं तुम सब की तरफ़ अल्लाह का □भेजा हुवा□रसूल हूँ□वह जिसकी बादशाहत है आसमानो पर□और ज़मीन में उसके सिवा कोई माबूद नहीं□वह ज़िन्दा करता है और मारता है □मौत देता है□□सो तुम ईमान लाओ□ अल्लाह पर और उसके रसूल उम्मी □मुहम्मद□ पर□वह जो ईमान रखता है अल्लाह पर और उसके सब कलामों पर□और उसकी पैरवी करो□ताकि तुम हिदायत पाओ।”

सब कलामों पर यानी तौरेत□इन्जील□ज़बूर और वह सब किताबें जो अल्लाह की तरफ़ से नाज़िल हुई। □वेद□पुराण भी□अगर बित्तहक़ीक़ यह किताबें अल्लाह की तरफ़ से नाज़िल करदह हैं□

अल्लाह ने अपने नबी हज़रत मुहम्मद □स□को यह भी इर्शाद फ़रमाया कि ऐ नबी मुहम्मद □स□□आप लोगों से यह कहें किः यह मेरा रासता □मेरी पैरवी करने वाला रासता□बिल्कुल सीधा है□इस की पैरवी करो□और दूसरे रासतों की पैरवी मत करो□वह तुम्हें मुतफ़र्रिक़ □टुकडें टुकडें□में बांट देंगे। उसने □अल्लाह ने□ तुम्हें इसका हुकम दिया है□ताकि तुम परहेज़गारी □तक़वह□ इख़्तियार करो।जैसा कि अल्लाह ने इर्शाद फ़रमाया है किः

وَأَنَّ هَٰذَا صِرَاطِي مُسْتَقِيمًا فَاتَّبِعُوهُ ۖ وَلَا تَتَّبِعُوا السُّبُلَ فَتَفَرَّقَ بِكُمْ عَن سَبِيلِهِ ۚ

ذَٰلِكُمْ وَصَّاكُم بِهِ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ [٦:١٥٣]

Verily, this is My way, leading straight: follow it: follow not (other) paths: they will scatter you about from His (great) path: thus doth He command you¸ that ye may be righteous.

“पस जो कोई हज़रत मुहम्मद□स□ की पैरवी करेगा वह सीधे रासते पर चलेगा□और जो कोई आप □स□के अ़लावह दूसरा रासता इख़्तियार करेगा वह रासते से भटक जाएगा।

3ः Third Parameter □तीसरा पैरामीटर□तीसरा मेयार□मानक□ः तीसरा पैरामीटर जो अल्लाह ने हर शख़्स के लिए तैय किया है□वह आख़िरी किताब क़ुरान पर अ़मल करना है।अल्लाह ने क़ुरान को मुसलमानों की हिदायत के लिए नाज़िल किया है। पस मुसलमान इसकी पैरवी करें□और तक़्वह□परहेज़गारी□इख़्तियार करें□ताकि तुम पर रह़म किया जाऐ।जैसा कि अल्लाह का इर्शाद है किः

وَهَٰذَا كِتَابٌ أَنزَلْنَاهُ مُبَارَكٌ فَاتَّبِعُوهُ وَاتَّقُوا لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ [٦:١٥٥]

And this is a Book which We have revealed as a blessing: so follow it and be righteous, that ye may receive mercy:

أَن تَقُولُوا إِنَّمَا أُنزِلَ الْكِتَابُ عَلَىٰ طَائِفَتَيْنِ مِن قَبْلِنَا وَإِن كُنَّا عَن دِرَاسَتِهِمْ لَغَافِلِينَ [٦:١٥٦]

Lest ye should say: "The Book was sent down to two Peoples before us, and for our part, we remained unacquainted with all that they learned by assiduous study:"

أَوْ تَقُولُوا لَوْ أَنَّا أُنزِلَ عَلَيْنَا الْكِتَابُ لَكُنَّا أَهْدَىٰ مِنْهُمْ ۚ فَقَدْ جَاءَكُم بَيِّنَةٌ مِّن رَّبِّكُمْ وَهُدًى
وَرَحْمَةٌ ۚ فَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّن كَذَّبَ بِآيَاتِ اللَّهِ وَصَدَفَ عَنْهَا ۗ سَنَجْزِي الَّذِينَ يَصْدِفُونَ عَنْ آيَاتِنَا
سُوءَ الْعَذَابِ بِمَا كَانُوا يَصْدِفُونَ [٦:١٥٧]

Or lest ye should say: "If the Book had only been sent down to us, we should have followed its guidance better than they." Now then hath come unto you a clear (sign) from your Lord,- and a guide and a mercy: then who could do more wrong than one who rejecteth Allah's signs, and turneth away therefrom? In good time shall We requite those who turn away from Our signs, with a dreadful penalty, for their turning away.

هَلْ يَنظُرُونَ إِلَّا أَن تَأْتِيَهُمُ الْمَلَائِكَةُ أَوْ يَأْتِيَ رَبُّكَ أَوْ يَأْتِيَ بَعْضُ آيَاتِ رَبِّكَ ۗ يَوْمَ يَأْتِي بَعْضُ آيَاتِ
رَبِّكَ لَا يَنفَعُ نَفْسًا إِيمَانُهَا لَمْ تَكُنْ آمَنَتْ مِن قَبْلُ أَوْ كَسَبَتْ فِي إِيمَانِهَا خَيْرًا ۗ قُلِ انتَظِرُوا إِنَّا مُنتَظِرُونَ
[٦:١٥٨]

Are they waiting to see if the angels come to them, or thy Lord (Himself), or certain of the signs of thy Lord! the day that certain of the signs of thy Lord do come, no good will it do to a soul to believe in them then if it believed not before nor earned righteousness through its faith. Say: "Wait ye: we too are waiting."

यानीः” और हम ने यह किताब □क़ुरान□उतारी है बरकत वाली □पस इसकी पैरवी करो□और परहेज़गारी इख़्तियार करो□ताकि तुम पर रह़म किया जाए।

ऐ मुसलमानों□□कहीं□तुम कहने लगो□कि हम से पहले दो गिरोहों □यहूद और नसॉरा□पर किताबें □तौरेत और इन्जील□उतारी गई□□और यह कि□ हम उनके पढ़ने पढ़ाने से बेख़बर थे।□क्योंकि वह उनके लिए थीं□हमारे लिए नहीं थीं□

या तुम यह कहने लगो□अगर हम पर □भी कोई□किताब उतारी जाती□तो □उन से□ज़ियादह हिदायत पर होते□उन से □उन से ज़ियादह हिदायत के रासते पर चल कर दिखाते□ □अब लो□□तुम्हारे पास तुम्हारे रब की तरफ़ से रोशन दलील और हिदायत और रहमत □यानी कुरान□आ गई।

□पस अब□उस से बङा ज़ॉलिम कौन है□जो अल्लाह की आयतों को □क़ुरान की आयतों को□झुठला दे□और उन से कतराए। हम उन □झुठलाने और कतराने वाले□ लोगों को जल्द सज़ा देंगे जो कतराते है हमारी आयतों से।बुरा अ़ज़ाब उसके बदले कि वह कतराते हैं □थे□

क्या वह □यानी मुसलमान इस का□इन्तज़ार कर रहे हैं□□मगर यह□कि उनके पास □अल्लाह का अ़जाब लेकर□फ़रिशते आऐं या तुम्हारा रब □अल्लाह खुद□आए□या तुम्हारे रब की बाज़ निशानी □अ़ज़ाब या और कोई शैय□ जिस दिन आएगी तुम्हारे रब की बाज़ निशानी □मौत या कियामत□□किसी के काम ना आएगा उसका ईमान□ जो पहले से ईमान ना लाया था□या अपने ईमान में □ईमान लाने के बाद□कोई भलाई न कमाई थी □कोई नेक अ़मल ना किया था□

पस यह क़ुरान मुसलमानो के लिए है।अगर मुसलमान इस पर अ़मल नहीं करेंगे□या इसकी आयतों को झुठलाऐंगे□या इसकी आयतों से कतराऐंगे□तो अल्लाह की सख़्त वईदों में हैं ।

हज़रत मुहम्मद□स□ कियामत के दिन अल्लाह बारगह में अल्ल्ह से शिकायत करेंगे कि ऐ मरे रब □मेरी क़ौम ने केरान को छोङ रखा था। जैसा कि अल्लाह ने इरशाद फ़रमाया है किः

وَقَالَ الرَّسُولُ يَا رَبِّ إِنَّ قَوْمِي اتَّخَذُوا هَٰذَا الْقُرْآنَ مَهْجُورًا [٢٥:٣٠]

Then the Messenger will say: "O my Lord! Truly my people took this Qur'an for just foolish nonsense."

یعنی: حضرت محمّد (ﷺ) فرمایئینگیں اے میرے رب! میری قوم نے اِس قُرآن کو چھوڑنے کے قابِل ٹھیرا لیا تھا (قابِلِ متروک کر رکھا تھا).

यानीः “ हज़रत मुहम्मद (स) फ़रमाऐंगे, ऐ मरे रब मेरी क़ौम ने क़ुरान को छोङने के क़ाबिल □क़ाबिले मतरूक□समझ रखा था।

अब वोह हज़रात ग़ौर कर लें□जिन्होंने क़ुरान को छोङ रखा है□अल्लाह की बारगाह में हज़रत मुहम्मद □स□की मौजूदगी में अल्लाह को क्य जवाब देंगें।

अल्लाह ने यह भी इरशाद फ़रमाया है कि यह कुरान बिल्कुल सीधे रासते की तरफ़ रहनुमाई करता है□और जो इस पर ईमान लाते हैं और अच्छे अ़मल करते हैं उनको बड़े अजर की खुशख़बरी देता है□और जो अख़िरत पर ई मान नहीं लाते□उन के लिए हम ने दर्दनाक अ़ज़ाब तैयार कर रखा है। जैसा कि अल्लाह का इरशाद है किः

إِنَّ هَٰذَا الْقُرْآنَ يَهْدِي لِلَّتِي هِيَ أَقْوَمُ وَيُبَشِّرُ الْمُؤْمِنِينَ الَّذِينَ يَعْمَلُونَ الصَّالِحَاتِ أَنَّ لَهُمْ أَجْرًا كَبِيرًا [١٧:٩]

وَأَنَّ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ أَعْتَدْنَا لَهُمْ عَذَابًا أَلِيمًا [١٧:١٠]

Verily this Qur'an doth guide to that which is most right (or stable), and giveth the Glad Tidings to the Believers who work deeds of righteousness, that they shall have a magnificent reward;

And to those who believe not in the Hereafter, (it announceth) that We have prepared for them a Penalty Grievous (indeed).

यानीः " यह कुरान उस राह की तरफ़ रहनुमाई करता है□जो सब से सीधी है।और उन लोगों को खुशख़बरी देता है जो ईमान लाऐ और अच्छे अ़मल करते हैं।

और जो लोग आख़िरत से इनकार करते हैं□उनके लिए हम ने दर्दनाक अ़ज़ाब तैयार कर रखा है।

आख़िरत से इनकार करना कुरान से या कुरान की आयात को झुठलाना या उन पर ईमान न लाना या उनको ना मानना या उनसे कतराना है।

4ः चौथा पैरामीटर □मानक□मेयार□ □**Fourth Parameter**□ यह है कि दीने इसलाम में पूरा पूरा दाख़िल होजानाः

दीन इसलाम के बहुत से उमूर ऐसे हैं □जो अरकाने इसलाम में कवर नहीं हो पाते□ जैसे अमर बिलमारूफ़ और नही अ़निल मुनकर□ दावतो तबलीग़□ विरासत के ऐहकाम□निकाह और तलाक़ के ऐहकाम□वालिदैन के हुक़ूक़□ सिॅलेह़ रह़मी□ह़मदर्दी□अख़लकियात□मुआ़मलात□पड़ोसियों के हुक़ूक़□ऐहले वतन के साथ मुआ़मिलात□हुक़ूकुल इबाद□सूद बियाज के ऐह़काम□वग़ैरह वग़ैरह। इन सब उमूर और ऐह़काम को कवर करने के लिए अल्लाह ने हुक्म दिया है कि ऐ मुसलमानो□दीन इसलाम में पूरे पूरे दाख़िल हो जाओ□और

शैतॉन के क़दमों की पैरवी ना करो□वह तुम्हारा खुला दुशमन है। जैसा कि अल्लाह ने हुकम दिया है किः

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا ادْخُلُوا فِي السِّلْمِ كَافَّةً وَلَا تَتَّبِعُوا خُطُوَاتِ الشَّيْطَانِ ۚ إِنَّهُ لَكُمْ عَدُوٌّ مُّبِينٌ [٢:٢٠٨]

O ye who believe! Enter into Islam whole-heartedly; and follow not the footsteps of the evil one; for he is to you an avowed enemy.

فَإِن زَلَلْتُم مِّن بَعْدِ مَا جَاءَتْكُمُ الْبَيِّنَاتُ فَاعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ حَكِيمٌ [٢:٢٠٩]

If ye backslide after the clear (Signs) have come to you, then know that Allah is Exalted in Power, Wise.

هَلْ يَنظُرُونَ إِلَّا أَن يَأْتِيَهُمُ اللَّهُ فِي ظُلَلٍ مِّنَ الْغَمَامِ وَالْمَلَائِكَةُ وَقُضِيَ الْأَمْرُ ۚ وَإِلَى اللَّهِ تُرْجَعُ الْأُمُورُ [٢:٢١٠]

Will they wait until Allah comes to them in canopies of clouds, with angels (in His train) and the question is (thus) settled? but to Allah do all questions go back (for decision).

यानीः “ऐ ईमान वालों□मुसलमानो□□दीने इसलाम में पूरे पूरे दाख़िल हो जाओ□और शैतॉन के क़दमों □चालों□की पैरवी न करो□बेशक वह तुम्हारा खुला दुशमन है।

फिर अगर तुम डगमगा गए□जबकि तुम्हारे पास वाज़ेह अह्काम □अल्लाह की तरफ़ से खुले निर्देश और आदेश□आ गए□तो जान लो कि अल्लाह ग़ालिब हिक्मत वाला है।क्या वह □मुसलमान□यह इन्तज़ार करते हैं□कि अल्लाह उनके पास □ख़ुद□आए साएबानों में बादल के□और □उसके□फ़रिशते भी□ और तुम्हारा मुआ़मिलह चुका दिया जाए□□यानी□अज़ाब भेज कर निपटा दिया जाए□और तमाम मुआ़मिलात अल्लाह की तरफ़ लौटेंगें।

वाज़ेह रहे किः ऊपर के बयान में क़ुरान पर अ़मल ना करने पर या क़ुरान की आयात को झुठलाने पर या क़ुरान की आयात से कतराने पर भी यही अ़ज़ाब की वईद है□और इस मुक़ाम पर भी दीन इसलाम में पूरे पूरे दाख़िल ना होने पर भी अल्लाह की तरफ़ से यही अज़ाब की वईद है।

अल्लाह से दुआ़ है कि वह हम को अपने क़ुरान पर अ़मल करने की और दीने इसलाम में पूरे पूरे दाख़िल होने की तौफ़ीक़ अ़तॉ फ़रमाए□आमीन।

पस जब कोई भी शख़्स या क़ौम इन चार पैरामीटर्स पर अ़मल करेगा□तो अल्लाह का वादा है किः

1: उन पर कोई ख़ौफ़ नहीं□और न वह ग़मगीन होंगे।
2: ऐसे लोग जन्नत में दाख़िल होंगे।

यह हैं चार पैरामीटर्स □मेयार□मापक□दीने मुहम्मदी □दीने इसलाम□के यानी □मुहम्मदी तहरीके इसलाम □एम टी आई 'MTI□ के हैं□जो पीस कीपिंग मुवमैन्ट के अंतर्गत लिए गए हैं।

अल्लाह का मजीद इरशाद है कि: जिसको अल्लाह हिदायत देना चाहता है□ उसके सीने को दीने इसलाम की समझ के लिए कुशादह कर देता है □खोल देता है□ और जिसको गुमराह करना चाहता है□उसके दिल को तंग कर देता है□और अल्लाह अज़ाब देता है उन लोगों को जो ईमान नहीं लाते।जैसा कि अल्लाह का इरशाद है क:

فَمَن يُرِدِ اللَّهُ أَن يَهْدِيَهُ يَشْرَحْ صَدْرَهُ لِلْإِسْلَامِ ۖ وَمَن يُرِدْ أَن يُضِلَّهُ يَجْعَلْ صَدْرَهُ ضَيِّقًا حَرَجًا كَأَنَّمَا يَصَّعَّدُ فِي السَّمَاءِ ۚ كَذَٰلِكَ يَجْعَلُ اللَّهُ الرِّجْسَ عَلَى الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ [٦:١٢٥]

Those whom Allah (in His plan) willeth to guide,- He openeth their breast to Islam; those whom He willeth to leave straying,- He maketh their breast close and constricted, as if they had to climb up to the skies: thus doth Allah (heap) the penalty on those who refuse to believe.

وَهَٰذَا صِرَاطُ رَبِّكَ مُسْتَقِيمًا ۗ قَدْ فَصَّلْنَا الْآيَاتِ لِقَوْمٍ يَذَّكَّرُونَ [٦:١٢٦]

This is the way of thy Lord, leading straight: We have detailed the signs for those who receive admonition.

यानी: " पस जिस को अल्लाह हिदायत देना चाहता है□उस का सीना इसलाम के लिए खोल देता है□और जिस को चाहता है कि उस को गुमराह करे□ उसका सीना तंग भींचा हुवा □निहायत तंग□तंग कर देता है□गोया कि वह ज़ोर से □बमुशकिल□आस्मान पर चढ़ रहा है□इसी तरह अल्लाह उन लोगों पर अज़ाब डालेगा□जो ईमान नहीं लाते।

यह रासता है तुम्हारे रब का सीधा।हम □अपनी□ आयात खोल कर □वज़ाहत के साथ□बयान कर दी हैं उन लोगों के लिए जो नसीहत पकड़ते हैं।

लिहाज़ा:

1ः दुनिया के सभी इन्सानों से अ़मूमन□और मुसलमानें से खुसूसन दरख़्वास्त है कि ऊपर बयान करदह चार पैरामीटर्स पर मज़बूती से अ़मल पैरा हो जाऐं□ पस अल्लाह तक पहुॅंचने का यही सीध रासता है।

2ः दूसरी दररूख़्वास्त यह है कि इस मैसेज को दुनिया के तमाम इन्सानों तक खुसूसन तमाम मुसलमानो तक पहुॅंचा दिया जाए□ताकि हर कोई इस से इसतिफ़ादह □फ़ाइदह□ह़ासिल कर सके।

3ः तीसरी दरख़्वास्त यह है कि हर शख़्स □चाहे वह किसी भी कम्यूनिटी से ताल्लुक़□रखता हो□वह पीस कीपिंग मुवमैन्ट को वोलुन्टियर की ह़ैसियत से जोएन कर सकता है।

4ः चौथी दरख़्वास्त यह है कि सभी लोगों को □पी के एम□के वोलुन्टियर बन ने की तरग़ीब दे।

पी के एम को वोलुन्टियर की ह़ैसियत से जोएन करने के लिए व्हाटस ऐप पर या ईमेल के जरिये अपनी कन्सैन्ट भेजें।

पी केएम
प्रोफ़ेसर डाक्टर बहार अह़मद
कन्वीनरः पी के एम
पीस कीपिंग मुवमैन्ट

26 मई 2019

मोबाइल न0ः 9990084319
ईमेलः baharjh59@gmail.com

Communicaton through: Whaat's app or e-mail only.

To join what's app:

Follow this link to join my WhatsApp group: https://chat.whatsapp.com/BfiUQ5tvvu9Ald31Jji1iN